REET 2025 LEVEL-1 & 2

वंदन बैच

हिंदी

वचन

LIVE 29-01-2025 11:00 AM

वचन

↓

एकवचन | बहुवचन

परिभाषा ⇒ वचन का अर्थ संख्या से है।

“संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से एक या एक से अधिक का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं”

हिन्दी में वचन दो प्रकार के होते हैं

1. एकवचन – जिन शब्दों द्वारा एक वस्तु पदार्थ या व्यक्ति का बोध होता है, उसे एकवचन कहते है।

<u>उदा०</u> लड़का

कलम

कुर्सी

मेज

सड़क

✓ लड़का खेलता है।

✓ पुस्तक अच्छी है।

✓ गाय चर रही है।

✓ व्यक्ति जा रहा है।

नोट – कुछ शब्द सदैव **एकवचन** में प्रयोग होते है।

जैसे – माल, जनता, सामान, सामग्री, सोना, प्रत्येक, हवा, आग, वर्षा, स्टील, पानी, दूध, चाँदी, लोहा, तेल, घी, दही, सत्य, झूठ, प्रेम, क्रोध, क्षमा, ताश, आदि।

2. बहुवचन – जिन शब्दों द्वारा अधिक वस्तु या पदार्थों का ज्ञान होता है। उसे बहुवचन कहते है।

उदा० पुस्तकें
सड़कें
मेजे
कुर्सियाँ

✓ लड़के खेलते है।

✓ गायें चर रही हैं।

✓ पुस्तकें अच्छी हैं।

✓ कई व्यक्ति जा रहे हैं।

नोट - कुछ शब्द सदैव **बहुवचन** में प्रयोग होते है।

जैसे – होश, आँसू, दाम, दर्शन, अक्षत, प्राण, नेत्र, हस्ताक्षर, होठ, बाल, समाचार, भाग्य, हाल-चाल, आशीर्वाद, रोम [redacted] आदि।

कुछ शब्द सदैव एकवचन रूप वाक्य प्रयोग करके आते है –

प्रयोजन

माल – माल लूट गया।

जनता – जनता भूल गई।

सामान – सामान खो गया।

सामग्री – हवन सामग्री जल गई।

सोना – सोना का भाव कम हो गया।

कुछ शब्द सदैव बहुवचन रूप वाक्य प्रयोग करके आते हैं –

प्राण – मेरे प्राण छटपटाने लगे।

दर्शन – मैंने आपके दर्शन कर लिए।

आंसू – आँखों से आंसू निकल पड़े।

बाल – मैंने बाल कटा दिए।

हस्ताक्षर – मैंने कागज पर हस्ताक्षर कर दिए।

- **इकारान्त** – जिन शब्दों के अन्त में 'इ' आये (जाति, गति, रति, रीति)
- **ईकारान्त** – जिन शब्दो के अन्त में 'ई' आये (नदी, लड़की, रानी, नारी, स्त्री)
- **अकारान्त** – जिन शब्दों के अन्त में 'अ' आये (पुस्तक, लेखक, बात, सड़क)
- **आकारान्त** – जिन शब्दों के अन्त में 'आ' आये (लड़का, माता, लेखिका, घोड़ा)
- **उकारान्त** – जिन शब्दों के अन्त में 'उ' आये (साधु, भानु, लघु, मधु)
- **ऊकारान्त** – जिन शब्दों के अन्त में 'ऊ' आये (उल्लू, भालू, आलू)

एकवचन से बहुवचन बनाने में प्रयुक्त किये जाने वाले प्रत्यय -

i. 'ए' आकारान्त पुल्लिंग शब्दों के अन्त में आए 'आ' के स्थान पर 'ए' कर देने से बहुवचन हो जाता है।

एकवचन	बहुवचन
बेटा	बेटे
घोड़ा	घोड़े
बच्चा	बच्चे
गधा	गधे

ii. स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में आए 'अ' का 'ए' कर देने से बहुवचन बन जाते है। जैसे –

एकवचन	बहुवचन
पुस्तक	पुस्तकें
सड़क	सड़कें
बोतल	बोतलें
बात	बातें
गाय	गायें
नहर	नहरें

iii.स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में आये 'या' के स्थान पर 'याँ' कर देने से बहुवचन बन जाता है।

एकवचन	बहुवचन
चिड़िया	चिड़ियाँ
कुटिया	कुटियाँ
डलिया	डलियाँ
लुटिया	लुटियाँ

iv. संज्ञा शब्दों के अन्त में आये 'आ' के स्थान पर 'ओ' कर देने से बहुवचन बन जाता है।

एकवचन	बहुवचन
नेता	नेताओं
देवता	देवताओं
अप्सरा	अप्सराओं

- आदर / सम्मानसूचक आदरणीय व्यक्ति के लिए सदैव बहुवचन का प्रयोग होता है।

जैसे –

पिताजी आ रहे है।

तुलसी श्रेष्ठ कवि थे।

साधु जा रहे है।

कभी-कभी कुछ विशेष शब्द जोड़कर बहुवचन बनाते है।

वर्ग – कर्मचारीवर्ग, शिक्षितवर्ग, जन्तुवर्ग, छात्रवर्ग, पक्षीवर्ग, दलित वर्ग, पिछड़ावर्ग

वृन्द – मुनिवृन्द, नारीवृन्द, शिशुवृन्द, बालवृन्द

गण – शिक्षकगण, कृषकगण, लेखकगण, विद्यार्थीगण, कविगण, श्रोतागण, पाठकगण,

जन – युवाजन, भक्तजन, गुरूजन, स्त्रीजन, सुधीजन, प्रजाजन

लोग – अमीरलोग, गरीबलोग, नेतालोग, तुमलोग

दल – राजनैतिकदल, बजरंगदल

- कभी – कभी संज्ञा के पुल्लिंग या स्त्रीलिंग रूपों में गण, वृन्द, जन, वर्ग, लोग, शब्द जोड़कर बहुवचन बनाया जाता है।

एकवचन	बहुवचन
अध्यापक	अध्यापकगण
अधिकारी	अधिकारीवर्ग
मित्र	मित्रगण
अमीर	अमीरलोग
विद्यार्थी	विद्यार्थीगण
आप	आपलोग
लेखक	लेखकगण
नारी	नारीवृन्द